प्रेस विज्ञप्ति

'किसानों को अपने खेतों के उत्पादों के स्वास्थ्यप्रद गुणों का ज्ञान होना चाहिए' – ए.के. सिंह, प्रभारी, कैटेट

दिनांक 20 मार्च 2025, निडाना, रोहतक: "अब समय आ गया है कि किसानों के अपने उत्पादों के स्वास्थ्यप्रद गुणों के बारे में जागरुक होना चाहिए। तभी किसान अपने उत्पादों को केवल मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता के आधार पर बेचकर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।" यह बात डॉ अनिल कुमार सिंह ने गाँव माहौली, जिला रोहतक में किसान-चर्चा के दौरान कही। श्री सिंह भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के कृषि प्रौद्योगिकी आकलन एवं स्थानांतरण केंद्र (कैटेट) के प्रभारी एवं प्रधान वैज्ञानिक हैं और आज गाँव निडाना, जिला रोहतक में प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। उन्होंने पूसा संस्थान की नई जैवसंवर्धित किस्म एच.डी. 3298 (प्रोटीन की मात्रा उच्च (12.2%) तथा लौह तत्व (43.1 पी.पी.एम.) मौजूद है) और सरसों की डबल जीरो किस्म पी.एम. 33 (न्यूनतम यूरिसिक एसिड एवं ग्लूकोसायनेट वाली) के बारे में चर्चा करते हुए कहा, जिसका किसानों के खेतों में प्रदर्शन लगाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि सरसों की इस किस्म में यूरिसिक एसिड एवं ग्लूकोसायनेट नगण्य होने के कारण इसके तेल के इस्तेमाल से कोलेस्ट्रॉल की संभावना न्यूनतम हो जाती है। इस वजह से यह किस्म निर्यात के लिए कनोला मानकों पर खरी उतरती है तथा विदेशों में अच्छे दाम मिलते हैं। श्री सिंह ने किसानों को बताया कि उन्हें इस उत्पाद के विपणन के दौरान इसके स्वास्थ्यप्रद गुणों को रेखांकित करते हुए बेचना चाहिए, तभी बेहतर मूल्य मिलेगा।

आज जिला रोहतक के निडाना गाँव में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (पूसा संस्थान) द्वारा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। यह गाँव पूसा संस्थान द्वारा अपनी प्रौद्योगिकियों के आकलन एवं प्रचार-प्रसार के लिए अंगीकृत किया गया है। यहाँ पूसा संस्थान द्वारा विकसित उपयुक्त तकनीकों के प्रदर्शन लगाए गए हैं। आज के कार्यक्रम में लगाई गई उन्नत किस्मों के खेतों पर भ्रमण कर प्रदर्शनों का अवलोकन किया गया तथा किसान वैज्ञानिक चर्चा आयोजित की गई। इसके साथ ही कृषक महिलाओं के साथ एक विशेष सत्र आयोजित किया गया जिसमें उन्हें स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, पोषण हेतु पोषण वाटिका के महत्व के बारे में जागरुक किया गया। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर पूसा संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं किसानों की टीम ने किसानों के खेतों में भ्रमण किया गया, जहाँ पूसा संस्थान की अनेक प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन लगे थे जैसे गेहूँ की उन्नतशील किस्में एच.डी. 3226, एच.डी.3298 (विलंब बुआई के लिए उपयुक्त जैव संवर्धित किस्म), एच.डी. 3271, एच.डी. 3369, एच.डी. 3406 (उन्नत एच.डी. 2967), एच.आई. 1653। इसके साथ ही टीम ने सरसों की किस्म पी.एम. 33 (डबल जीरो किस्म), सब्जी जैसे गाजर (पूसा रुधिरा), प्याज (पूसा ऋद्धि), मेथी (पूसा अर्ली बंचिंग), पालक (पूसा भारती, पूसा ऑलग्रीन) के खेतों में भी भ्रमण किया। तत्पश्चात टीम ने बाग में दौरा किया जहाँ आम, अमरूद और अंगूर के प्रदर्शन लगाए गए थे। यहाँ टीम ने खड़ी फसल का अवलोकन किया तथा किसानों के साथ चर्चा की।

इसके बाद किसान-वैज्ञानिक गोष्ठी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने उन्नत प्रौद्योगिकियों के बारे में अवगत कराया तथा किसानों के साथ चर्चा हुई और उनके प्रश्नों का जवाब दिया। तत्पश्चात विशेष रूप से महिलाओं का सत्र रखा गया जिसमें लगभग 25 महिलाओं ने भाग लिया। इसमें उन्हें स्वास्थ्यप्रद जीवनशैली, स्वच्छता और पोषण का महत्व, किचन गार्डन रखने के फायदे और उगाने की तकनीकों पर चर्चा की गई। यहाँ गत फसल सीजन में पूसा संस्थान द्वारा विकसित सब्जियों के बीजों युक्त "किचन गार्डन सब्जी किट" प्रदान किए गए थे, जिनके प्रदर्शन इन महिलाओं ने अपने घरों पर क्यारियों पर लगाए थे। आज भी उन्हें नए सीजन के लिए "किचन गार्डन सब्जी किट" वितरित किए गए।

प्रेक्षत्र दिवस पर गोष्ठी का संचालन डॉ पुनीता पी. ने किया तथा वक्ताओं डॉ प्रतिभा जोशी ने परियोजना के उद्देश्यों और प्रक्षेत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ सर्वाशीष चक्रवर्ती ने समेकित कीट व रोग प्रबंधन के बारे में बताया तथा श्री पी.पी. मौर्य ने पूसा संस्थान की उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में डॉ पुनीता पी. वरिष्ठ वैज्ञानिक ने समस्त आगंतुकों, किसानों, महिलाओं एवं प्रक्षेत्र दिवस आयोजित करने में शामिल श्री आनंद विजय दुबे एवं कैटेट के अन्य स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापन किया।

निडाना, रोहतक में 20.3.2025 को आयोजित प्रक्षेत्र दिवस की कुछ झलकियाँ